इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 6 नवम्बर 2026

जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

वर्ष 19 अंक 65 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 31.1°C (-0.2) न्यूनतम 17.4°C(+2.2) सेंसेक्स 79,310.01 (+2,008.61) निफ्टी 24,536.60 (+576.00) सोना 1,46,170 चांदी 2,10,000 मुद्रा - डालर 94.47 दिरहम 25.72 रियाल 25.19

प्रकृति के सिद्धांतों से तकनीक विकसित करने के गुर बताए

एरा यूनिवर्सिटी में बायोइंस्पायर्ड इंजीनियरिंग पर व्याख्यान



लखनऊ (सं)। प्रकृति में मौजूद संरचनाओं और प्रक्रियाओं से प्रेरणा लेकर नई तकनीक और टिकाऊ समाधान विकसित किए जा सकते हैं। विज्ञान के क्षेत्र में इसी सोच को बायोइंस्पायर्ड इंजीनियरिंग कहा जाता है। इसी विषय पर बुधवार को एरा यूनिवर्सिटी के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में विशेष व्याख्यान और वैज्ञानिक कार्टून पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विशेषज्ञों ने छात्रों को प्रकृति के वैज्ञानिक पहलुओं को समझकर उन्हें शोध और तकनीकी विकास से जोड़ने के तरीके बताए।

कार्यक्रम में सीएसआईआर-सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीडीआरआई) के मेडिसिनल एंड प्रोसेस केमिस्ट्री डिवीजन के पूर्व निदेशक एवं वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक प्रो. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि प्रकृति से प्रेरित वैज्ञानिक दृष्टिकोण बायोटेक्नोलॉजी, चिकित्सा, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में नए आविष्कारों का आधार बन सकता है। उन्होंने शोध में विभिन्न विषयों के आपसी समन्वय और नवाचार की जरूरत पर भी जोर दिया। इस मौके पर प्रकृति से विज्ञान सीखना विषय पर साइंटूनिक पोस्टर प्रतियोगिता हुई। इसमें स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट के विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक कार्टून के माध्यम से अपने विचार और शोध संबंधी अवधारणाएं प्रस्तुत कीं। प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के डीन डॉ. ए.के. श्रीवास्तव समेत विभिन्न विभागों के शिक्षक मौजूद रहे। आयोजन बायोटेक्नोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. तबरेज जाफर के संयोजन में हुआ। डॉ. नायब इशरत, डॉ. सलीहा हसन, डॉ. मनाल जहेरा और डॉ. जैनब नकवी ने आयोजन में सहयोग किया।